

आदि, रजाई आदि का ऊपरी भाग 4. वह पशु जो प्रायः अकेला रहे वि. 1. एकाकी, अकेला 2. अद्वितीय, अनुपम, जिसकी बराबरी का दूसरा कोई न हो, बेजोड़ स्त्री. (फा.) 1. हिसाब का रजिस्टर, बही-खाता 2. आज्ञापत्र, हुक्मनामा 3. निमंत्रण का सूचीपत्र 4. सूची, तालिका।

फरना अ.क्रि. (तद्.) 1. फलना, फलयुक्त होना 2. कार्य पूर्ण होना, मनोकामना पूरी होना 3. गर्मी के कारण शरीर पर छोटे-छोटे दाने अथवा फुंसी आदि निकलना अ.क्रि. (देश.) 1. फिर से जाना, पुनः जाना 2. लौट कर जाना, लौटना, फिरना।

फरफंद पुं. (देश.) 1. धोखा, कपट, दाँव-पेंच, छलबल, चाल, चालाकी, कपट, बेईमानी, ठगी, दुर्जनता, धूर्तता, दुष्टता, बुराई, शरारत, बदमाशी 2. मिथ्या आचरण, द्वेषपूर्ण व्यवहार 3. नखरा, चोंचला।

फरफंदी वि. (देश.) 1. धोखेबाज, चाल-बाज, कपटी, दाँव-पेच चलाने वाला, चालाकी करने वाला, शरारती 2. मिथ्याचारी, द्वेषपूर्ण व्यवहार करने वाला 3. नखरा करने वाला, नखरेबाज, चोंचला करने वाला।

फरफर क्रि.वि. (फा.) 1. जल्दी-जल्दी 2. निरंतर, लगातार स्त्री. फिरकी।

फरफुंदा पुं. (फा.) 1. फतिंगा, पतिंगा, पतंग 2. एक प्रकार का उड़ने वाला कीड़ा।

फरमा/फर्मा पुं. (तत्.) 1. लकड़ी अथवा लोहे से निर्मित एक ढाँचा जिस पर रखकर चर्मकार जूता बनाते हैं, कालबूत 2. वह साँचा जिसमें मूर्ति, आभूषण आदि को ढाला जाता है 3. (अर.+फा.) कागज का पूरा ताब जो प्रेस में एक बार छापा जाता है, राजा का आदेश, राजाज्ञा, शाही हुक्म दे. फरमान/फर्मान।

फरमाइश/फर्माइश स्त्री. (फा.) 1. याचना, माँग, तलब 2. किसी कार्य के लिए अथवा किसी वस्तु के लिए निवेदन 3. कारखाने या दुकान के माल का ऑर्डर।

फरमाइशी/फर्माइशी वि. (फा.) 1. जिसकी फरमाइश की गई हो 2. जो फरमाइश करने पर प्रस्तुत किया गया हो 3. याचित।

फरमान/फर्मान पुं. (फा.) 1. राजा का आदेश, शाही हुक्म 2. आदेश, आज्ञा, हुक्म 3. वह पत्र जिस पर आज्ञा लिखित रूप में हो, राजकीय आज्ञा पत्र/आज्ञा पत्र।

फरमाना/फर्माना स.क्रि. (तत्.) 1. आज्ञा देना 2. निवेदन करना।

फरमाबरदार वि. (फा.) आज्ञा का पालन करने वाला, आज्ञाकारी, ताबेदार।

फरलांग/फर्लांग पुं. (अं.) दूरी की एक इकाई, एक मील का आठवाँ भाग।

फरवाह पुं. (देश.) एक विशाल वृक्ष जिसके पत्ते बड़े-बड़े होते हैं इसके पत्ते तोड़ने पर दूध निकलता है। इसके फल घंटे के आकार वाले होते हैं, ये वृक्ष दो प्रकार के होते हैं, काली छाल वाले-कृष्ण फरवाह तथा सफेद छाल वाले-श्वेत फरवाह/ इस वृक्ष का एक अन्य नाम 'मोखा' भी है।

फरवी पुं. (देश.) भुना हुआ चावल, मुरमुरा।

फरश/फर्श पुं. (अर.) 1. पक्की समतल भूमि 2. ऐसी भूमि पर बिछाया जाने वाला मोटा वस्त्र, दरी आदि।

फरशबद/फर्शबंद पुं. (फा.) ऊँची समतल भूमि।

फरशी/फर्शी स्त्री. (फा.) एक प्रकार का एक बड़ा हुक्का।

फरस पुं. (देश.) समतल भूमि, फर्श।

फरसा पुं. (तद्.) एक तेज धार वाला, कुल्हाड़ी से कुछ बड़े आकार का प्राचीन कालीन शस्त्र, परशु, कुठार, कुछ बोलियों में कुदाल (फावड़ा) भी फरसा कहलाता है।

फरह वि. (देश.) वश के बाहर का (काम) अशक्य।

फरहद पुं. (तद्.) एक वृक्ष जिसके प्रत्येक डंठल में तीन-तीन पत्ते होते हैं। इसके पत्ते चिकने होते हैं इसमें शाखा के सिरे पर लाल रंग का पुष्प